Curriculum and Credit Framework
As per NEP 2020

For

(To be effective from the Academic Session 2024-2025)

UNDER-GRADUATE PROGRAMMES HINDI
(Multidisciplinary)
Gurugram University, Gurugram
(A State Govt. University Established Under Haryana Act 17 Of 2017)

बी.ए. (हिंदी) पृष्ठभूमि

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग बहुमुखी संकाय के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहा है । विभाग का उद्देश्य विधार्थियों को वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र में बढ़ती हिंदी की महता से परिचित कराते हुए उन्हें भाषा , साहित्य , मूल्यों और भारतीय संस्कृति के ज्ञान एवं योग्यता के साथ उनका सर्वांगीण विकास करना है ।विभाग के प्राध्यापक समर्पित एवं अनुभवी शिक्षाविद् है जो विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं । विद्यार्थियों की अकादमिक प्रगति के साथ उनकी रुचि ,व्यक्तित्व विकास और भविष्योंमुखी योजनाओं को लेकर वैयक्तिक रूप से उनका मार्गदर्शन करते हैं ।हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना और स्वरूप छात्रों के समग्र विकास को उद्धृत करने एवं हिंदी को रोज़गारोन्मुखी बनाने के लिए व्यावसायिक एवं संचार कौशल , अनुवाद ,व्यक्तित्व विकास , शोध , अभिव्यक्ति कौशल , पत्रकारिता ,सृजनात्मक लेखन , भाषा विज्ञान एवं कार्यालयी हिंदी आदि विषयों के विशिष्ट ध्येय को ध्यान में रखकर बनाया गया है । हिंदी से स्नातक करने के साथ इस विषय में विद्यार्थी स्नातक शिक्षण प्रशिक्षण,जनसंचार ,पाठकथा ,संवाद लेखन ,अनुवाद ,लोकप्रशासन एवं राजभाषा जैसे आकर्षक क्षेत्रों में शिक्षा एवं रोजगार के अवसर चुन सकते हैं।

'सीखने की प्रक्रिया जीवनपर्यंत सक्रिय है ' एवं ' सतत् विकास 'की धारणा पर हमारा विभाग कार्यरत है ।हिंदी विभाग के द्वारा समय -समय पर सम्मेलनों, गोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाता है । हिंदी विभाग का प्राथमिक लक्ष्य ज्ञान परंपरा की गहराईयों में उतरना , अतीत को वर्तमान से और मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाली चीजों का अध्ययन करना , मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा एवं उनके उन्नयन का प्रयास करना है ।

ABOUT THE PROGRAM

बीए (हिंदी) भारतीय भाषा के महत्वपूर्ण एक स्नातकीय स्तरीय अध्ययन प्रोग्राम है। इसका उद्देश्य छात्रों को हिंदी भाषा ,साहित्य ,संस्कृतिक और सामाजिक मामलों की गहरी समझ और ज्ञान प्रदान करना है। इस लेख में हम बीए (हिंदी) कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे जो छात्रों को इस प्रोग्राम के बारे में अधिक संक्षेप में पता करने में मदद करेगी।

1. Programme Educational Objectives (PEOs)

PEO	Description
PEO-1	छात्र हिंदी में व्याकरण का शुद्ध मौखिक एवं लिखित संप्रेषण कर सकेंगे।
PEO-2	छात्र हिंदी साहित्य के आदिकाल से आधुनिक काल तक के इतिहास और उसकी प्रतिनिधिक रचनाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
PEO-3	छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग कर सकेंगे।

2. Programme Outcomes

PO	Description
PO-1	इस प्रोग्राम द्वारा विद्यार्थी के करियर में उन्नति हो सकती है।
PO-2	इस प्रोग्राम के बाद विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने के योग्य हो जाता है।
PO-3	विद्यार्थी अपने विषय में अधिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
PO-4	विद्यार्थी विषय का गहन अध्ययन कर विषय विशेष ज्ञान प्राप्त कर सकता है।
PO-5	यह प्रोग्राम विद्यार्थी को भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकता है।
PO-6	विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य के विकास क्रम की जानकारी प्राप्त होगी।
PO-7	विद्यार्थी भाषा शास्त्र की अवधारणाओं ,हिंदी भाषा और उसके विकास को समझेंगे।
PO-8	विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कथा की विशेषताओं को उसमें निहित छोटी-छोटी संवेदनाओं को समझ पाएंगे और व्याकरण का भाषा में इस्तेमाल कर पाएंगे।

3. Programme Specific Outcomes

PSO	Description
PSO-1	इस पाठ्यक्रम से स्नातक करने वाले छात्र हिंदी भाषा के साहित्यिक एवं भाषा विज्ञान संबंधी विशेषताओं से पूर्ण तथा परिचित हो सकेंगे।
PSO-2	विद्यार्थी प्राचीन काल के सामाजिक मानवीय मूल्यों को हिंदी भाषा के माध्यम से समझ सकेंगे।
PSO-3	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा का ज्ञान प्राप्त कर विश्व स्तर पर हिंदी भाषा को सर्वोत्तम स्थान दिला सकेंगे।
PSO-4	हिंदी भाषा को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यावहारिक पटल पर भी उपयोगी बनाया गया है।
PSO-5	इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात विद्यार्थी परास्नातक हिंदी भाषा में अध्ययन कर सकेंगे।

स्नातक विशेषताएँ

- अनुशासनात्मक ज्ञान
- रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच
- विचारात्मक चिंतन
- समस्या समाधान
- विश्लेषणात्मक तर्क
- संचार कौशल
- अनुसंधान कौशल
- जीवन कौशल
- बहुसांस्कृतिक क्षमता
- नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य
- आजीवन शिक्षा
- वैश्विक क्षमता

योग्यता वर्णनकर्ता

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम के योग्यता वर्णनकर्ता उन अपेक्षित ज्ञान, कौशल, और दक्षताओं का वर्णन करते हैं, जो छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद प्राप्त होने चाहिए। ये वर्णनकर्ता सुनिश्चित करते हैं कि स्नातक हिंदी अध्ययन के क्षेत्र में विभिन्न पेशेवर और शैक्षणिक अवसरों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम हिंदी भाषा की उन्नत समझ का प्रदर्शन करेगा, जिसमें व्याकरण, वाक्य रचना, ध्वनिविज्ञान, और शब्दावली शामिल हैं। इसमें वैदिक, महाकाव्य, शास्त्रीय और आधुनिक हिंदी साहित्य का व्यापक ज्ञान भी शामिल होगा। हिंदी पाठों के

सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, और दार्शनिक संदर्भों को समझना भी इसका हिस्सा होगा।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम व्यापक हिंदी पाठों का आलोचनात्मक विश्लेषण और व्याख्या करेगा, जिसमें उपयुक्त विद्वतापूर्ण पद्धतियों का उपयोग किया जाएगा। विभिन्न साहित्यिक और दार्शनिक पाठों और परंपराओं का मूल्यांकन और तुलना भारतीय बौद्धिक इतिहास के व्यापक संदर्भ में किया जाएगा। स्वतंत्र अनुसंधान करना, शोध प्रश्नों को तैयार करना, और प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना भी इसके अंतर्गत आएगा।

संवेदनशीलता का अनुप्रयोग। विभिन्न पेशेवर संदर्भों में हस्तांतरणीय महत्वपूर्ण सोच, समस्या-समाधान, और बौद्धिक अन्वेषण में कौशल का विकास करना भी इसका हिस्सा होगा।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम हिंदी भाषा और साहित्य में आजीवन रुचि और प्रशंसा को बढ़ावा देगा। हिंदी पाठों में संरक्षित भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत की सूक्ष्म समझ को विकसित करना। अपने स्वयं के सीखने और विद्वता के प्रति चिंतनशील और आत्म-आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास करना। अकादमिक और पेशेवर चुनौतियों के सामने अनुकूलता और लचीलापन का प्रदर्शन करना भी इसका हिस्सा होगा।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम हिंदी पढ़ने, लिखने, और बोलने में प्रवीणता का प्रदर्शन करेगा। हिंदी पाठों का अनुवाद और व्याख्या सही तरीके से करना, भाषाई सूक्ष्मताओं और सांस्कृतिक संदर्भ को ध्यान में रखते हुए। हिंदी साहित्य और दर्शन से संबंधित विषयों पर विद्वतापूर्ण पत्र, रिपोर्ट, और प्रस्तुतियाँ तैयार करना और प्रस्तुत करना भी इसका हिस्सा होगा।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम में प्रभावी संचार कौशल, दोनों लिखित और मौखिक, अकादमिक और पेशेवर संदर्भों के लिए उपयुक्त होंगे। अनुसंधान और शैक्षणिक सेटिंग्स में स्वतंत्र और सहयोगात्मक कार्य करने की क्षमता का प्रदर्शन भी किया जाएगा। हिंदी ज्ञान के अध्ययन और प्रसार में नैतिक सिद्धांतों और सांस्कृतिक

योग्यता:

उम्मीदवार को किसी भी विषय में उच्चतर माध्यमिक का प्रमाण पत्र होनी चाहिए, जिसमें कुल मिलाकर कम से कम 45% अंक (केवल हरियाणा के SC/ST/दिव्यांग उम्मीदवारों के मामले में 42.75% अंक) होने चाहिए।

करियर के अवसर

दुनिया भर में हमारी राष्ट्रीय भाषा को महत्वपूर्ण महत्व दिए जाने के कारण, इसमें रोजगार के कई अवसर हैं। हिंदी साहित्य में कुछ नौकरियाँ निम्नलिखित हैं जो आपके लिए मददगार हो सकती हैं-

1. केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और इकाइयों में हिंदी अधिकारी, हिंदी अनुवादक, हिंदी सहायक, प्रबंधक (राजभाषा) जैसे पद उपलब्ध हैं। आप हिंदी साहित्य में भी सरकारी नौकरियों की तलाश कर सकते हैं।
2. निजी टीवी और रेडियो चैनलों के आने से इसका दायरा बढ़ गया है। स्थापित पत्रिकाओं के हिंदी संस्करण और हिंदी मीडिया के क्षेत्र में आने से संपादकों, रिपोर्टरों, संवाददाताओं, उप-संपादकों, प्रूफरीडरों, रेडियो जॉकी, एंकर आदि की जरूरत बढ़ गई है।
3. पत्रकारिता, जनसंचार में डिग्री या डिप्लोमा के साथ हिंदी में शैक्षणिक योग्यता नौकरी चाहने वालों के लिए योग्यता है।
4. रेडियो, टीवी, सिनेमा के माध्यमों में स्क्रिप्ट राइटर, डायलॉग राइटर आदि के रूप में काम किया जा सकता है। इस क्षेत्र में रचनात्मक लेखन में स्वाभाविक और कलात्मक महारत की आवश्यकता होती है। हालाँकि, रचनात्मक लेखन में डिग्री या डिप्लोमा किसी की लेखन शैली को निखार सकता है।
5. अंतर्राष्ट्रीय लेखकों की प्रसिद्ध कृतियों, ब्लॉकबस्टर फिल्मों, विज्ञापनों और अदालतों में अनुवाद के काम की आवश्यकता इस समय चरम पर है, जब आप यह पढ़ रहे हैं।

Scheme of Programme

(Scheme UG A1: Undergraduate Programmes (Multidisciplinary)

Semester 1

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A1	**हिंदी साहित्य का इतिहास** (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	240/HIN/CC101	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A2	हिंदी का मध्यकालीन साहित्य	240/HIN/CC202	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 3

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A3	हिंदी काव्यकुंज चयनित कहानियाँ	240/HIN/CC303	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 4

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A4	आधुनिक हिंदी कविता	240/HIN/CC404	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 5

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A5	हिंदी का गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास	240/HIN/CC5 05	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 6

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A6	काव्यांग परिचय	240/HINCC/6 06	3	1		3	1		4	30	70			100

The curriculum of semester 7 and 8 will be provided in due course of time

सेमेस्टर **1 (CCA1)** **पूर्णांक:100**

हिंदी साहित्य का इतिहास लिखित परीक्षा:**70**

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल) आंतरिक **मूल्यांकन:30**

Course ID- 240/HIN/CC101

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- **इतिहास का संबंध अतीत से होता है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृतांतों का सन्निवेश होता है। इतिहास दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।**
- **इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के संदर्भों से आगत को प्रभावित करती है।**
- **हिंदी साहित्य के इतिहास के अध्यन का उद्देश्य भी यही है की वह नई व्याख्या, नई प्रेरणा और नई दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करता है।**
- **पाठ्यक्रम परिणाम**
- **आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना ।**
- **मानव समाज की संपूर्ण गति तथा परिवर्तन का मूल्यो के संदर्भों में भी अध्ययन करता है।**

इकाई **1:** हिंदी साहित्य इतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका

- **हिंदी साहित्य इतिहास के लेखन की परंपरा**
- **साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं**
- **हिंदी साहित्य का इतिहास: काल,विभाजन,सीमा निर्धारण**

इकाई **2:** आदिकाल

- **नामकरण और सीमा**
- **परिवेश: ऐतिहासिक , सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक**
- **वर्गीकरण, सिद्ध,जैन,नाथ, रासो साहित्य**
- **आदिकालीन कविता की प्रवृत्तियां**
- **पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता**

इकाई **3:**भक्तिकाल

- **परिवेश: ऐतिहासिक , सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक**
- **भक्ति आंदोलन**
- **भक्तिकालिन काव्य धाराएं: वैशिष्ट्य और अवदान**
- **सूफी काव्यधारा: वैशिष्ट्य**
- **राम काव्यधारा: वैशिष्ट्य**
- **कृष्ण काव्यधारा: वैशिष्ट्य**
- **भक्तिकाल: स्वर्णयुग**

इकाई **4 :** रीतिकाल

- **नामकरण और सीमा**

- **परिवेश:ऐतिहासिक , सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक**
- **रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व**
- **विभिन्न काव्यधाराओं की विशेषताएं**
- **रीतिबद्ध**
- **रीतिसिद्ध**
- **रीतिमुक्त**

निर्देश:

1. **पाठ्यक्रम मे निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जायेगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या** 8 **होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड मे से कम से कम एक प्रश्न अर्थात कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए** 10 **अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न** 40 **अंको का होगा।**
2. **पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से**
3. **परीक्षार्थी को** 250 **शब्दों मे किन्ही छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न** 4 **अंक का होगा । पूरा प्रश्न** 24 **अंको का होगा।**

4.**पूरे पाठ्यक्रम में से** 6 **वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।**

संदर्भित पुस्तकें:

हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रामचंद्र शुक्ल
हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास - डॉ. नगेंद्र
हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. हरदेव बाहरी
हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रघुवंश
हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. शिवकुमार मिश्र

सेमेस्टर 2 (CCA2) पूर्णांक:100

हिंदी का मध्यकालीन साहित्य (काव्यकुंज) लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन:30

Course ID- 240/HIN/CC202

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

इतिहास का संबंध अतीत से होता है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृतांतों का सन्निवेश होता है।
इतिहास दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।
इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के संदर्भों से आगत को प्रभावित करती है।

पाठ्यक्रम परिणाम

हिंदी साहित्य के इतिहास के अध्यन का उद्देश्य भी यही है की वह नई व्याख्या, नई प्रेरणा और नई दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करता है।
आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना ।
मानव समाज की संपूर्ण गति तथा परिवर्तन का मूल्यो के संदर्भों में भी अध्ययन करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम

- निर्धारित पाठ्यपुस्तक मध्यकालीन काव्य कुंज: सं डॉ रामसजन पांडेय प्रकाशक: खाटू श्याम प्रकाशन, प्रताप टाकीज, रोहतक।
- हिंदी साहित्य का आदिकाल
- काव्यशास्त्र
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड: क - मध्यकालीन काव्य कुंज

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यकतिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड: ख - हिंदी साहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा
2. आदिकाल का नामकरण
3. आदिकाल की परिस्थितियां
4. आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियां
5. रासो काव्य परंपरा: संक्षिप्त परिचय

खण्ड : ग - काव्यशास्त्र पर आधारित विषय

1. काव्य के भेद
2. रस: स्वरूप और अंग
3. रस के भेद

4. अलंकार-अनुप्रास,श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, वक्रोक्ति
5. छंद: दोहा , सोरठा, चौपाई,कुण्डलिया, बरवै, छप्पय , कवित्त, घनाक्षरी
6. शब्दशक्तिया: अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
7. कव्यगुण: प्रसाद, माधुर्य, और औज

खण्ड: घ - वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश-

1. खण्ड क: में निर्धारित पाठ्यपुस्तक मे से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमे से परिक्षार्थियो को किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी।पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

2. खण्ड क : में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवम आलोचनात्मक प्रश्नों मे से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

3. खण्ड क : में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवम आलोचनात्मक प्रश्नों मे से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को लगभग 150 शब्दों में किन्ही चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा।प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

4. खण्ड ख : में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को किसी दो प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

5. खण्ड ख : में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को लगभग 150 शब्दों में किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

6. खण्ड ग : में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से 6 प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को किन्ही 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा।प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

7. खण्ड : घ मे से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

सेमेस्टर 3 (CCA3) **पूर्णांक:100**

हिंदी कथाकुंज (चयनित कहानियाँ) लिखित परीक्षा:**70**

आंतरिक मूल्यांकन:30

Course ID- 240/HIN/CC303

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

हिंदी कथा का विश्लेषणात्मक ज्ञान

हिंदी कथा के विविध रूप

पाठ्यक्रम परिणाम:

हिंदी कथा की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ

हिंदी कथा के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन

निर्धारित पाठ्यक्रम :

आधुनिक काव्य मंजूषा : संपादक- डॉ माया मलिक , प्रकाशक खाटू श्याम प्रकाशन, 1276 / 5 पीर जी , मोहल्ला प्रताप , टॉकीज रोहतक

कहानी -अकादमी एकादशी -संपादक, दर्शन ओझा प्रकाशक, शिक्षा भारती , कश्मीरी गेट , दिल्ली ,हिंदी साहित्य का रीतिकाल

खंड क: आधुनिक काव्य मंजूषा

- निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न कवियों के साहित्यिक परिचय.
- उनके काव्य की संवेदनात्मक तथा शिल्पगत प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड ख: निर्धारित पाठ्यक्रम से निम्नलिखित कहानियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है

- ईदगाह- प्रेमचंद
- छोटा जादूगर- जयशंकर प्रसाद
- पढ़ाई- जैनेंद्र कुमार
- आदमी का बच्चा -यशपाल
- दरोगा- अमरचंद आगे
- दिल्ली में एक मौत- कमलेश्वर
- नई नौकरी- मन्नू भंडारी

निर्धारित पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा कहानी कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड ग: हिंदी साहित्य का रीतिकाल

- निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
- रीतिकालीन हिंदी कविता के प्रेरणा स्रोत
- रीतिकाल का नामकरण
- रीतिकाल का विभाजन तथा रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियां
- रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियां

- रीति कवियों का आचार्यतत्व
- रीतिकालीन हिंदी काव्य की उपलब्धियां

निर्देश:
खण्ड क : में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवम आलोचनात्मक प्रश्नों मे से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

खण्ड क : में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवम आलोचनात्मक प्रश्नों मे से छः लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को लगभग 150 शब्दों में किन्ही चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा।प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

खण्ड ख : में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को किसी दो प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड ख : में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को लगभग 150 शब्दों में किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा।प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

खण्ड ग : में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से 6 प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमे से परिक्षार्थियो को किन्ही 3 प्रश्नों का उत्तर देना होगा।प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

खण्ड : घ मे से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है । पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

सेमेस्टर **4 (CCA4)** अधिकतम अंक:**100**

आधुनिक हिंदी कविता लिखित परीक्षा:**70**

आंतरिक निर्धारण:30

Course ID- 240/HIN/CC404

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान

आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूप

पाठ्यक्रम परिणाम:

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ

आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन

(क**)** पाठ्य विषय**-**

1. **मैथिलीशरण गुप्त: साकेत (नवम सर्ग)**
2. **जयशंकर प्रसाद : कामायनी(श्रद्धा एवं रहस्य सर्ग)**
3. **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया. संध्या सुंदरी, मैं अकेला , तोड़ती पत्थर , बादल राग(प्रथम खंड)**
4. **रामधारी सिंह दिनकर :कुरुक्षेत्र षष्ठम सर्ग**

(ख**)-** आलोच्य विषय

1. **साकेत: राम काव्य परंपरा और साकेत ,साकेत का महाकाव्य तत्व ,मैथिली शरण गुप्त की नारी विषयक दृष्टि , काव्य वशिष्ठ**
2. **कामायनी :कामायनी का महाकाव्य तत्व. रूपक तत्व ,कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ ,प्रसाद का सौंदर्य बोध**
3. **निराला :छायावादी काव्य परंपरा में निराला का स्थान, निराला के काव्य की प्रयोगशीलता ,निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्ति पूजा का मूल कथ्य**
4. **कुरुक्षेत्र: उत्तर छायावादी काव्य और दिनकर दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि , मूल प्रतिपाद्य**

सहायक ग्रंथ **:**

1. **मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संस्कृति आख्या, डॉ. उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।**
2. **मैथिलीशरण गुप्त और साकेत: डॉ. ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर।**
3. **साकेत एक अध्ययन: डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।**
4. **संपूर्ण कामायनी (पाठ- अर्थ- समीक्षा): डॉ. हरिशंकर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद।**
5. **निराला की साहित्य साधना: डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।**
6. **नई कविता की भूमिका: डॉ. प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।**
7. **छायावादी काव्य और निराला: डॉ. कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर।**
8. **निराला: डॉ. पद्म सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।**
9. **निराला और नवचेतनायुग: डॉ. रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर।**

10. निराला: डॉ. रामविलास शर्मा, शिवालाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
11. निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3 भाग): डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल दिल्ली।
12. छायावाद की प्रासंगिकता: रमेश्वर शाह।
13. निराला की साहित्य साधना: डॉ. रामविलास शर्मा, तृतीय खंड।
14. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता: डॉ. ललन राय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।
15. अज्ञेय की काव्य चेतना: डॉ. कृष्ण भाऊक, साहित्य प्रकाशन, गालीवाडा, दिल्ली।
16. दिनकर काव्य का पुनर्मूल्यांकन: डॉ. शम्भु नाथ।

निर्देश:

1. खंड क में निर्दिष्ट पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में तीन खंडों के निर्दिष्ट आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई पांच लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सेमेस्टर **5 (CCA5)** अधिकतम अंक:**100**

हिंदी की गद्य विधाओं का उद्भव और विकास लिखित परीक्षा:**70**

आंतरिक निर्धारण:30

Course ID-240/HIN/CC505

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

इतिहास का संबंध अतीत से होता है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृतांतों का सन्निवेश होता है। इतिहास दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।

इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के संदर्भों से आगत को प्रभावित करती है।

पाठ्यक्रम परिणाम :

हिंदी साहित्य के इतिहास के अध्यन का उद्देश्य भी यही है की वह नई व्याख्या, नई प्रेरणा और नई दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करता है।

आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना ।

मानव समाज की संपूर्ण गति तथा परिवर्तन का मूल्यो के संदर्भों में भी अध्ययन करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. कथा वातायन संपादक डॉ रोहिणी अग्रवाल ,प्रकाशक खाटू श्याम प्रकाशन ,1276 / 5पीर जी, मोहल्लाप्रताप , मोबाइल |रोहतक ,टॉकीज999170 8080
2. समकालीन काव्य प्रकाशक खाटू श्याम प्रकाशन ,संपादक डॉ रामसजन पांडे ,प्रभास-1275 / 5, पीर जी मोहल्ला मोबाइल,रोहतक,प्रताप टॉकीज,नंबर -999 170 8080

   हिंदी साहित्य का आधुनिक काल गद्य :

   खंड : (क) कथा वातायन

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों, साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा निर्धारित कहानियों की कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे|
निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
खंड :(ख)समकालीन काव्य प्रभास-

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, उनकी काव्य संवेदना तथा काव्य शिल्प पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे|

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

निर्धारित प्रश्न -

- हिंदी उपन्यास :उद्‌भव और विकास
- हिंदी नाटक :उद्‌भव और विकास
- हिंदी कहानी :उद्‌भव और विकास
- हिंदी निबंध: उद्‌भव और विकास
- हिंदी आलोचना :उद्‌भव और विकास
- हिंदी साहित्य की अन्य गद्‌य विधाएं -आत्मकथा,जीवनी,यात्रावृत्त का उद्‌भव और विकास

निर्देश

- खड़' क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए चार अंक निर्धारित है |पूरा प्रश्नअं 8 क का होगा |
- खंड' क' निर्धारित पाठयपुस्तक आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा| यह प्रश्न आठ अंक का होगा |
- खंड क में निर्धारित पाठ्यपुस्तक आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 200 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा |प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा |
- खंड'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए अंक 4निर्धारित है |पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा |

सेमेस्टर **6 (CCA 6)** अधिकतम अंक:**100**

काव्यांग परिचय लिखित परीक्षा:**70**

आंतरिक निर्धारण:30

Course ID- 240/HIN/CC606

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. हिंदी काव्य की विविध विधाओं और उनके तत्वों की समझ विकसित करना।
2. हिंदी कविता के ऐतिहासिक विकास और प्रमुख कवियों का अध्ययन करना।
3. कविता विश्लेषण के उपकरण और तकनीक की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. छात्र हिंदी काव्य की विभिन्न विधाओं और उनके तत्वों को पहचानने और समझने में सक्षम होंगे।
2. छात्र साहित्यिक आलोचना के विभिन्न विद्यालयों की समझ विकसित कर सकेंगे और उनके सिद्धांतों का प्रयोग कर सकेंगे।
3. छात्र अपने विचारों और भावनाओं को कविता के माध्यम से व्यक्त करने में सक्षम होंगे और कविता पाठ के माध्यम से अपनी प्रस्तुतिकरण क्षमता में सुधार करेंगे।

इकाई1: **काव्य का परिचय****

- काव्य की परिभाषा और प्रकार
- हिंदी कविता के विभिन्न रूप (दोहा ,चौपाई , कविता , ग़ज़ल)
- काव्य के तत्व (छंद , तुकांत , छवि , प्रतीकात्मकता)
- काव्य के उद्देश्य और उपयोगिता

इकाई 2 : काव्य के तत्व**

- रस: श्रंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, वीभत्स, अद्भुत, शान्त
- ध्वनि: अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
- अलंकार: शब्दालंकार और अर्थालंकार

इकाई 3 : प्रमुख काव्य ग्रंथों का अध्ययन

- महाकाव्य
- खंडकाव्य
- गीतिकाव्य

इकाई 4: हिंदी कविता का ऐतिहासिक विकास

- प्रारंभिक हिंदी कविता
- मध्यकालीन हिंदी कविता
- आधुनिक हिंदी कविता

पाठ्यक्रम की अवधि और मूल्यांकन:
- कुल अवधि: 6 महीने
- मूल्यांकन: सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षा

संदर्भ पुस्तकें

1. काव्यांग परिचय by डॉ. वासुदेव सिंह
2. हिंदी साहित्य का इतिहास by डॉ. नागेंद्र
3. आधुनिक हिंदी कविता by डॉ. हरिवंश राय बच्चन
4. कविता के रंग by डॉ. रामकुमार वर्मा
5. काव्यशास्त्र by डॉ. नामवर सिंह
6. काव्यशास्त्र - डॉ. भागीरथी मिश्र

प्रश्न पत्र निर्माण संबंधी निर्देश:

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों मे से किसी एक का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंको का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम मे कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमे से परीक्षार्थी को 250 शब्दों मे किन्ही छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंको का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न छः अंको का होगा